TET पास अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल किया जाए: बलराम यादव

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मंत्री बलराम यादव ने आज कहा कि अपर प्राइमरी टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को नियुक्ति में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यादव ने यहां अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कहा कि स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षकों की भर्ती को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने निर्देशित किया कि अपर प्राइमरी टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही फर्जी नियुक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए नियुक्त शिक्षकों के प्रमाण-पत्रों की जांच की जाय। फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों पर प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। मंत्री ने चयनित 306 राजकीय बालिका इण्टर कालेज में टॉयलेट ब्लॉक्स की निर्माण की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की नवीन पेंशन योजना में कटौती शीघ्र प्रारंभ करें। उन्होंने मण्डल में गत मार्च माह में सेवानिवृत्त शिक्षकों के सेवानैवृत्तिक देयकों के भुगतान शीघ्र दिए जाय।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि कन्या विद्याधन और लैपटाप योजना मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकताओं में हैं। कन्या विद्या धन पात्र छात्राओं को मिलना चाहिए। इस वर्ष कन्या विद्याधन के लिए 300 करोड़ रुपये की बजट में व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि अवशेष लैपटाप आगामी 15 सितंबर तक प्रत्येक दशा में वितरित कर दिए जायेंगे। उन्होंने निर्देशित किया कि क्लीन स्कूल ग्रीन स्कूल योजना में चयनित विद्यालयों का कैंपस इस प्रकार का होना चाहिए, ताकि वह क्लीन एवं ग्रीन स्कूल लगे।

उन्होंने कैंपस में वृक्षारोपण कराने तथा स्कूलों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के भी निर्देश दिए। बैठक में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री विजय बहादुर पाल ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि समाजवादी अभिनव विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाये। यहाँ पेयजल की व्यवस्था, फर्नीचर, जल भराव की समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए। इन विद्यालयों हेतु छात्रावास स्टाफ, आवासीय भवन, बाउन्ड्रीवाल एवं गार्डरूम के निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र भिजवाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर प्रमुख सचिव जितेन्द्र कुमार ने लम्बित प्रकरणों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) अमर नाथ वर्मा तथा मण्डलीय एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।